

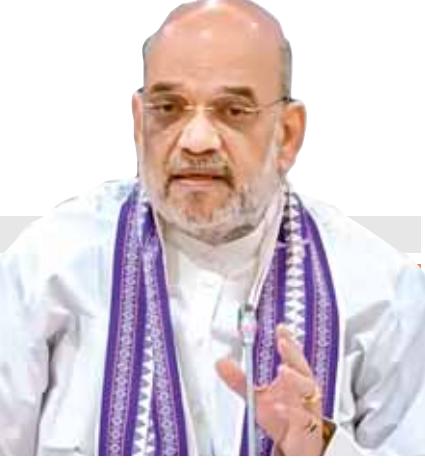


सच, सिर्फ सच

वॉयस ऑफ लखनऊ

**

शनिवार, 07 सितम्बर, 2024 लखनऊ, महानगर, वर्ग 19, अंक 243, पृष्ठ 16, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper
voiceoflucknow@gmail.com
www.voiceoflucknow.com


सेंसेक्स में 1,017 अंकों की गिरावट

वैशिख बाजारों में कमज़ोर रुद्ध और विदेशी क्रोधों की ताजा निकासी की दशह

} 14

पैरालम्पिक : प्रवीण कुमार ने जीता स्वर्ण



पेरिस। तोक्यो खेलों के रजत पदक विजेता भारत के प्रवीण कुमार ने शुक्रवार

कूद दी 64 स्पर्धा में एशियाई रिकॉर्ड खिलाड़ियों में 2.08 मीटर से सत्र की तोड़कर स्वर्ण पदक जीत लिया। छोटे पैर सर्वप्रथम कूद लाइ और शीर्ष स्थान के साथ पैदा हुए नोएडा के प्रवीण ने छह हासिल किया। (विस्तृत खबर खेल पर)

संक्षेप
स्कूल में नानवेज लाने पर छात्रों को निकाला

अपरोहा। जिले में नरसी के छात्रों को कथित तौर पर एक निजी स्कूल

से निकाल दिया गया क्योंकि वह अपने लंबे वैक्स से नानवेज

(मांसाहरा) खाना लेने राया था।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी जो कि इस मामले की जांच के लिए जिला विद्यालय नियशक के तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। स्थानीय पुलिस के अनुसार यह घटना बृहस्पतिवार को हिल्टन कार्नेट स्कूल में हुई। स्कूल के प्रधानाचार्य अवकीश कुमार शर्मा ने बाद में बच्चे की मां के बताया कि उसका बेटा स्कूल में उच्चिकरण करता था और हार्दिन नानवेज भोजन लाता था। इसके बाद प्रधानाचार्य और बच्चे की मां के बीच तीखी नोकझोंक का एक बीड़ियो सोशल पीड़ियो पर सर्वांगिन हो गया है।

हालांकि, इस घटना के संबंध में कोई औपचारिक पुलिस शिक्षाकार्य दर्ज नहीं की गई है, लेकिन अमरिन के जिले विद्यालय नियशक कियुं प्रताप सिंह ने बृहस्पतिवार को मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

परवेज मुशर्रफ से जुड़ी जमीन की गोलामी

बागपत। जिले के कोटाना में स्थित शत्रु संस्थित के अंतर्गत अनेक वाली दो हेक्टेएर जमीन को 1.38 करोड़ रुपये में नीलम कर दिया गया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। जिन जमीनों की नीलमी की गयी है वह पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से जुड़ी बताई गयी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह संस्थित बागपत की बड़ी तहसील के कोटाना गांव में स्थित है, और इसे 2010 में शत्रु संस्थित किया गया था। शत्रु संस्थित का वर्गीकरण भारत में पाकिस्तानी नागरिकों के स्वामित्व वाली संस्थितों से संबंधित है, जिसका प्रबंधन केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले विभाग शत्रु संस्थित संरक्षक

द्वारा किया जाता है।

उज्ज्वल भविष्य के मार्ग पर बढ़ रहा प्रदेश

○ मुख्यमंत्री ने गोरखपुर को दी 635 करोड़ की सौगत ○ जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र का किया उद्घाटन

घनशयम कुमार



गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि विकास और सुख का मार्डल ही वर्तमान और भावी पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा।

प्रदेश के पिपलद्वारा विधानसभा भ्रमण के सोनबरसामे 635 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकापान करने के बाद मुख्यमंत्री यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बालापार, टिकरिया से लेकर गांगी तक फोरेलन की मां के बताया कि उसका बेटा स्कूल में हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उद्घाटन करना है। उहोंने कहा कि उल्लंघन के संबंधित कर रहे थे। इस पहल का उद्घाटन जल संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करना है। उहोंने कहा कि उल्लंघन के लिए हमें रिड्यूस, रियूज, रिचार्ज और रिसाइकल के मंत्र पर बढ़ने की ज़रूरत है। हमें जल संरक्षण के मंत्र पर बढ़ने की ज़रूरत है। मोदी ने कहा कि भारत के सांस्कृतिक चैरियों को जाता है, इपलिए डिप सिचाई जैसी स्थायी कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। डिप सिचाई खेतों की एक विधि है जिसमें दूब, पाइ अन्य नेटवर्क के माध्यम से सीधे पीढ़ी की जड़ों के बाहर पानी पहुंचाया जाता है। मोदी ने कहा जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण ये बहुमारी लिए कोई नए नस्ब नहीं है। ये हालांकि किताबी जान नहीं है। ये हालांकि के कारण हमारे हिस्से आया हुआ काम भी नहीं है। ये भारत की सांस्कृतिक चैरियों का हिस्सा है।

उपयोग किया जाता है, इपलिए डिप सिचाई जैसी स्थायी कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। डिप सिचाई खेतों की एक विधि है जिसमें दूब, पाइ अन्य नेटवर्क के माध्यम से सीधे पीढ़ी की जड़ों के बाहर पानी पहुंचाया जाता है। मोदी ने कहा जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण ये बहुमारी लिए कोई नए नस्ब नहीं है। ये हालांकि के कारण हमारे हिस्से आया हुआ काम भी नहीं है। ये भारत की सांस्कृतिक चैरियों का हिस्सा है। उहोंने कहा कि हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल के ईश्वर का रूप कहा गया है, नदियों को देवी माना गया है। ये सरोवरों को देवल्या का दर्ज मिल है। ये गंगा, नर्मदा, गोदावरी और कावरी भी मारी मारी हैं। मोदी ने कहा कि भारत के पास दुनिया के ताजे पानी के संसाधनों को केवल चार प्रतिशत है और देश के कई हिस्से जल संकट का सामान कर रहे हैं। उहोंने कहा कि इजाहों पर पानी का स्तर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। ये भारत की सांस्कृतिक चैरियों के द्वारा आया है और देश के कई हिस्से जल संकट का कारण हो रहे हैं। ...शेष पृष्ठ 14 पर

आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य, सहयोगियों के घरों पर ईडी का छापा

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशलय (ईडी) ने कलकत्ता रास्त्रीय मेडिकल कॉलेज में डेटा एंट्री ऑपरेटर और आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संसदीप थोंगे के करियां माने जा रहे प्रसूत चट्टोपाध्याय को अस्पताल में हुई कथित अभियानियों के अस्पताल में हुई शुक्रवार की अस्पताल में डिप सिचाई में शुक्रवार की अस्पताल में लिए गये।

इंदी अधिकारियों को दोहराकर करते दूर्घाटन के द्वारा आया गया। इसके बाद चट्टोपाध्याय को द्वारा लिए गये। सोमवार को दोहराए गए। इसके बाद अधिकारियों ने वर्तावान चाहा था। आज गोरखपुर के उपायोजित और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं। उहोंने बताया कि कल उपराष्ट्रपति सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने गोरखपुर आएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि जब प्रकृति और पर्यावरण को बचाकर विकास किया जाएगा, तभी वह सतत विकास होगा। उन्होंने बताया कि बाल चट्टोपाध्याय को दिखाई 24 पर गणना जिले के सुधारप्रामाणिक स्थित उनके आवास से बाहर लाते हुए देखा गया। इसके बाद चट्टोपाध्याय को मध्याह्न चत्पाता के द्वारा आया गया। इसके बाद चट्टोपाध्याय को देखा गया। यह घूमे जाने पर करोड़ों रुपये का फार्म हाउस-बंगला बनवाया था। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घोरा अपने पर्यावरण को संबोधित कर रहे थे। जब विकास करने के लिए विकास किया जाएगा, तभी वह अवधिकारी ने वर्तावान चाहा था। आज गोरखपुर के उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं। उहोंने बताया कि कल उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने वर्तावान चाहा था। आज गोरखपुर के उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं। उहोंने बताया कि कल उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं। उहोंने बताया कि कल उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं। उहोंने बताया कि कल उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं।

विभाग को गोरखपुर में एक फौस्टी कॉलेज स्थापित करने का निर्देश दिया जाने वाले से संबोधित पदार्थ के लिए डिप्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाए जाएं। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर प्रधानमंत्री के अधिकारियों के संबोधित कर रहे थे। जब विकास करने के लिए विकास किया जाएगा, तभी वह सतत विकास होगा। और लंबे समय तक उसका लाभ मिलेगा।

प्रकृति और पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खरातनक होता है। उहोंने बताया कि विकास की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खरातनक होता है। उहोंने बताया कि विकास की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खरातनक होता है।

राजनीतिक नेताओं से मिलकर सेवा निर्माण का उल्लंघन करने की बात कही गई है। वेणुगोपाल ने पूछा कि क्या विपक्ष के नेता से मिला अपराध है? साथ ही उहोंने लंबे अधिकारियों से फोगाट को कायमंत्रक संसाधन चलाए जाएं। राजनीती नेतृत्व के अनुसार घोर अपने पर्यावरण को संबोधित करने के लिए एक विकास क्षणिक और खरातनक होता है। उहोंने कहा कि पारी के केंद्रीय चुनाव जाएगा। उहोंने कहा कि विकास की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खरातनक होता है। उहोंने कहा कि विकास की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खरातनक होता है। उहोंने कहा कि विकास की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खरातनक होता है।

उहोंने कहा कि विकास की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और खरातनक होता है। उहोंने कहा कि विकास की कीमत पर होने वाला विकास क्षणिक और ख

ऑनलाइन ओपीडी पंजीकरण में यूपी नंबर वन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ: यूपी के सरकारी अस्पतालों में आमजन को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है। निःशुल्क दवाएँ एवं गुणवत्ताप्रकृति के उपचार मिल रही है। यही कारण है

- **आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत ऑपीडी के तहत 4.7 करोड़ पंजीकरण: ब्रजेश पाठक**
- **अकेले यूपी के ही 1.24 मिलियन हुए रजिस्टर्ड, आध्र प्रदेश दूसरे, बिहार तीसरे स्थान पर**

कि देश भर में ओपीडी रजिस्ट्रेशन में यूपी अक्वल नंबर पर है। यह कहना है कि देश के अंतर्गत ऑपीडी के तहत 4.7 करोड़ पंजीकरण किए गए हैं। इनमें 1.24 करोड़ ओपीडी टोकन अकेले उत्तर प्रदेश से जारी किए गए हैं। वहीं, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में इस संवाद के

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के डैशबोर्ड अंकें बताते हैं कि सरकारी अस्पतालों में ऑनलाइन ओपीडी पंजीकरण में उत्तर प्रदेश सर्वोपरी और तमिलनाडु सर्वसे पीछे है।



माध्यम से 10,000 से भी कम ओपीडी पंजीकरण टोकन दिये गए। डिटी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के डैशबोर्ड के 5 सिंतर तक प्रदर्शित आंकड़ों के अनुसार ऑनलाइन ओपीडी पंजीकरण में उत्तर प्रदेश के बाद आंध्रप्रदेश का नंबर है, जहां 81 लाख मरीजों ने ओपीडी में इलाज के लिए ऑनलाइन टोकन लिया। कुल 57 लाख टोकन के साथ बिहार तीसरे स्थान पर है।

आंकड़ों के अनुसार इस सूची में महज 949 टोकन के साथ तमिलनाडु सर्वसे नीचे है। हिमाचल प्रदेश नाचे से

दूसरे स्थान पर है, जहां के लिए 1,365 ओपीडी पंजीकरण ऑनलाइन किए गए। इसके बाद गोवा में महज 2,381

और केरल में 7,983 मरीजों ने ओपीडी में इलाज के लिए ऑनलाइन पंजीकरण टोकन लिया।

25 में से 15 अस्पताल उत्तर प्रदेश के

लखनऊ के देशभर में सबसे ज्यादा ओपीडी पंजीकरण वाले 25 अस्पतालों में 15 उत्तर प्रदेश और उसके बाद पांच आंध्र प्रदेश के हैं। डिटी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि आमजन को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्रायोगिकता है। हम रोगियों और उनके तीव्रतादरों को गुणवत्ताप्रकृति के साथ उपलब्ध करा रहे हैं। इन 15 अस्पतालों में स्वरूप राजनीतिक अस्पताल, प्रयागराज, जिला संस्थान चिकित्सालय, गौतमबुद्ध नगर, गणेश शंकर विद्यार्थी मैडिकल कॉलेज, कानपुर नगर, लोकवंश राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय, महारानी लक्ष्मीवाली मैडिकल कॉलेज, झासी, तेज बहारुल सुपर अस्पताल, प्रयागराज, बलरामपुर अस्पताल, लखनऊ, यूरेचम्प जिला पुरुष चिकित्सालय, झासी, पंडित दौन दवाल उपायाचार चिकित्सालय, वाराणसी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस अस्पताल, गोरखपुर, डा. शयमा प्रसाद मुख्यमंत्री चिकित्सालय, लखनऊ, एसएसपीजी जिला अस्पताल, वाराणसी, गर्भवते इस्टीटीयूट ऑफ मैडिकल साइंसेंस (गिम्स), गौतमबुद्ध नगर, मान्यवर कांशीराम संयुक्त जिला चिकित्सालय एवं ट्रॉमा सेंटर, कानपुर नगर शामिल हैं।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पेय निर्माता कंपनियों का योगदान अहम : खबरा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना से शुक्रवार 10 कालीमार्ग स्थित उत्के सरकारी आवास पर इंडियन बैंकरेज एसोसिएशन के

- **वित्तमंत्री से इंडियन बैंकरेज एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात**

प्रतिनिधि मंडल में मुलाकात की भेट के दौरान पेय पदार्थ निर्माताओं ने जिम्मेदारी से पेय पदार्थों पर लगाये जाने वाले कर आदि से संबंधित अपनी समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पेय

माध्यम से समुचित समाधान निकलताने का प्रयास करेंगे। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल को पेय पदार्थ से जिम्मेदारी से जुड़े उद्योग अपने-अपने क्षेत्र में इमानदारी से कार्य करते हुए देश एवं प्रदेश के विकास में योगदान दें। राज्य सरकार आपकी सभी समस्याओं के प्रति पूरी तरह से संवेदनशील है पेय पदार्थों पर टैक्स आदि समस्याओं का निस्तारण कराने का हरसभ भव प्रयास किया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में इंडियन बैंकरेज एसोसिएशन के सेक्रेटरी जनरल जैपी मीना, निदेशक तायना मजितिंगा, रेड्बुल से अमानत हिन्दू, एप्सिसो के सेरोस चटर्जी, कोका कोला से रोहन मिश्रा एवं अन्य शामिल थे।



स्टेट क्वालिटी मॉनिटर कर रहे हैं, मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता की जांच : केशव मौर्य

विशेष संवाददाता (vol)

ल

ख

न

ग

र

न

म

न

द

म

न

त

र

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

न

द

म

न

म

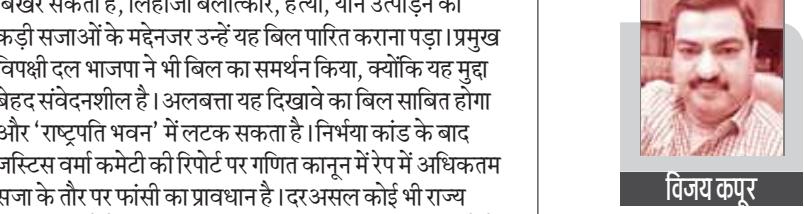
न

द

म

सजा की सियासत

प्रश्चिम बंगाल विधानसभा में 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक' (आपाधिक कानून एवं संशोधन) सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिट्टा के रेप-मर्डर के बाद जलाकार, आक्रोश और विवरण-प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गये हैं, उन्हें शांत करने का यह एक सियासी हथकंडा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इनके व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार विद्युत सकारा है, जिला बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीड़न की कड़ी सजा अंतों के महेन्द्र उर्हे यह बिल का समर्थन किया, जिनके यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबाता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक सकता है। निर्भया कांड के बाद जस्टिस वर्मा कमेटी की रिपोर्ट पर गणित कानून में रेप में अधिकतम सजा के तौर पर फांसी का प्रवाधन है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। सभी राज्यों में अपराध और अन्य मामलों में केंद्रीय कानून ही प्रभावी और लागू होते हैं, वैसे राज्यों का अलग कानून बनाने का भी अधिकार है, लेकिन वे केंद्रीय कानून में बदलाव नहीं कर सकते। यदि राज्य ऐसा करता है, तो या राज्यपाल को उस पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना होता है। बंगाल विधानसभा में जिले पारित किया गया है, उसमें भारतीय न्याय सहित (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुक्ष्मा सहित और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्से) में संशोधन की बात कही गई है। ये कानून संसद द्वारा पारित किए गये हैं। केंद्रीय कानूनों की धाराओं के तहत बलात्कार,



विजय कंपूर

हा लाक खद्दरधारी नेता कुशल अभिनेता भी होते हैं कि नाच करके जरने में अमिता बच्चन ने भी टिक्ककर दें, लेकिन शशिरंजन परमार वास्तव में अपनी भवनाओं के नियंत्रण न प्रकार रोने व अपने समर्थकों के समझे ही फूट फूटकर रोने लगे। उनके दृष्टि को जिला चित्तानी में बीजेपी के वीष्ट, कर्मठ व समर्पित नेता है। दशकों से अपनी पार्टी की निःस्वार्थ सेवा में लगे हुए थे। इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा उन्हें तोशम से अपना प्रत्याशी बनायेगी। लेकिन जब भाजपा ने 67 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जिसी को तो उसके उनका नाम नहीं था। उनकी जगह वर्षे ब्रह्मा की प्रत्याशा सांसद श्रुति चौधरी को तोशम से बीजेपी ने अपना प्रत्याशी बनाया है। परमार का लम्बे समय से भाजपा में है जबकि श्रुति चौधरी जून 2024 में ही किंग्रेस से बीजेपी में आयी है। इसी बजह से बीजेपी के एक अवधि ब्रह्मा ने ब्रह्मा की वीर्याओं को जगह उन पैराशूट नेताओं को वीर्याता दे रही है, जो हाल फिल्हाल में पार्टी में शामिल हुए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह
सेनी का कहना है कि किसी एक व्यक्ति को ही एक सीट से टिक्ट किया जाएगा।

जा सकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है। चुनाव के अवसर पर ऐसा सभी पार्टियों में देखने को मिलता है।

देखने को मिलता है। लेकिन जिस बड़े पैमाने पर हरियाणा बीजेपी में विद्रोह देखने को मिल रहा है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं। सैनी की बात सही है।

जासकता है जबकि टिक्ट के इच्छुक बड़ी संख्या में होते हैं,

इसलिए कार्यकर्ता व नेता नाराज भी हो जाते हैं।</b

